

GNM 1st Year, Behavioural Science Video -02

Q. मनोविज्ञान क्या है? इसके क्रमिक विकास से आप क्या समझते हैं?

What is Psychology? What do you understand with its orderly development?

उत्तर- मनोविज्ञान (Psychology) शब्द लैटिन भाषा के शब्द "साइको-लोगस" (psychologus psycho से तात्पर्य "आत्मा" तथा logus से तात्पर्य "ज्ञान") से बना है।

यही आगे चलकर साइकोलॉजी हो गया अर्थात "आत्मा या मन का अध्ययन"।

कई शताब्दियों पूर्व मनोविज्ञान को दर्शनशास्त्र की ही शाखा माना जाता था।

उस समय मनोविज्ञान में मुख्य रूप से "मन" (mind) तथा "मानसिक क्रियाओं" (mental processes) का अध्ययन किया जाता था।

इन परिवर्तनों के साथ ही मनोविज्ञान के निरूपण तथा व्याख्या में भी अन्तर आए।

मनोविज्ञान का जो रूप आज हम देख रहे हैं, वह विकास के भिन्न-भिन्न क्रमों से गुजरा है।

मनोविज्ञान के क्रमिक विकास को हम निम्न बिन्दुओं से समझ सकते हैं-

- आत्मा के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a Science of Soul)

प्लेटो (Plato), अरस्तू (Aristotle), तथा देकार्ते (Decarte) आदि ग्रीक दार्शनिक मनोविज्ञान को आत्मा का विज्ञान (Science of Soul) के रूप में स्वीकार करते हैं।

- मन या मस्तिष्क के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a Science of Mind)

आत्मा के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान की व्याख्या अस्वीकृत हो जाने के बाद सत्रहवीं सदी के दार्शनिकों ने मनोविज्ञान को मन के विज्ञान (Science of Mind) के रूप में निरूपित (explained) किया।

- चेतना के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a Science of Consciousness)

-

उन्नीसवीं सदी में मनोवैज्ञानिकों ने मन के विज्ञान के स्थान पर मनोविज्ञान को चेतना के विज्ञान (Science of Consciousness) के रूप में प्रस्तुत किया।

इनमें विलियम जेम्स, वाइव, विलियम वुड, जेम्स सली, आदि दार्शनिकों के नाम प्रमुख हैं।

- व्यवहार के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a science of Behaviour)

बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में मनोविज्ञान को व्यवहार के विज्ञान (Science of Behaviour) के रूप में दार्शनिक स्वीकार करने लगे।

वाट्सन, वुड्वर्थ, स्किनर, आदि दार्शनिकों के नाम इसमें प्रमुख हैं।

अब वर्तमान में मनोविज्ञान के इसी रूप को सर्वमान्य रूप से स्वीकार (universally accepted norm) किया जाता है।

Answer- The word Psychology is derived from the Latin word "Psychologus" (psycho means "soul" and logus means "knowledge").

This later became Psychology i.e. "study of soul or mind".

Many centuries ago, Psychology was considered a branch of Philosophy.

At that time, Psychology mainly studied "mind" and "mental processes".

Along with these changes, there were differences in the representation and interpretation of Psychology.

The form of Psychology that we are seeing today has gone through different stages of development.

We can understand the gradual development of Psychology from the following points-

- Psychology as a Science of Soul

Greek philosophers like Plato, Aristotle and Decarte accepted Psychology as the Science of Soul.

- Psychology as a Science of Mind

After the interpretation of psychology as the science of soul was rejected, the philosophers of the seventeenth century explained psychology as the science of mind.

- Psychology as a Science of Consciousness -

In the nineteenth century, psychologists presented psychology as the science of consciousness instead of the science of mind.

Among these, the names of philosophers like William James, Weave, William Wood, James Sully, etc. are prominent.

- Psychology as a science of behavior

In the beginning of the twentieth century, philosophers started accepting psychology as the science of behavior.

The names of philosophers like Watson, Woodworth, Skinner, etc. are prominent in this. Now at present, this form of psychology is universally accepted norm.

Q. नर्सों के लिए मनोविज्ञान का महत्व समझाइए।

Explain the importance of psychology for nurses.

उत्तर :- मनोविज्ञान की शिक्षा में नर्स मरीज के normal व असामान्य व्यवहार (abnormal behaviour) में भेद कर सकती है।

मनोविज्ञान की जानकारी से नर्स मरीज व परिजनो की भावनाओं, mood (मनोस्थिति) को भली प्रकार समझ सकती है।

मरीजो में सकारात्मक दृष्टिकोण (positive attitude) जगाना एक प्रमुख नर्सिंग कार्य है जिसमें साइकोलोजी मदद करती है।

• सर्जरी से पहले या किसी जटिल टेस्ट से पूर्व मरीजों को मानसिक रूप से तैयार करना (psychological preparation) महत्वपूर्ण नर्सिंग जिम्मेदारी है। मनोविज्ञान का अध्ययन नर्स को इसमें मदद करता है।

मरीज की अनेक शारीरिक समस्या का कारण मानसिक दशाएं होती है। नर्स हेतु इनका ज्ञान होना आवश्यक है।

इससे नर्स को स्वयं के व्यक्तित्व, मनोवृत्ति, पूर्वाग्रहो (prejudices) के बारे में भी जागरूकता आती है व सुधार होता है।

इससे व भिन्न-भिन्न आयु वर्गों, बच्चो, वृद्धो, वयस्को के साथ अन्तर्क्रिया करना व उनके मानसिक स्तर के अनुसार सफल therapeutic NPR बना पाती है।

मनोविज्ञान के ज्ञान से नर्स स्वयं में आत्मविश्वास में वृद्धि होती है व

सफल कैरियर की दिशा में आगे बढ़ती है।

मनोविज्ञान के अध्ययन से नर्सों को सफलतापूर्वक साइकोथैरेपी प्रदान करती है।

रोगी को समझना

स्वयं के व्यक्तित्व व व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक।

With the education of psychology, the nurse can differentiate between normal and abnormal behaviour of the patient.

With the knowledge of psychology, the nurse can understand the feelings and mood of the patient and the relatives very well.

Arousing a positive attitude in patients is an important nursing task in which psychology helps.

- Psychological preparation is an important nursing responsibility to prepare patients before surgery or before any complex test. The study of psychology helps the nurse in this.

Many physical problems of the patient are caused by mental conditions. It is necessary for the nurse to have knowledge of these.

This also makes the nurse aware of her own personality, attitude, prejudices and improves them.

This enables her to interact with different age groups, children, elderly, adults and make successful therapeutic NPR according to their mental level.

With the knowledge of psychology, the nurse increases her self-confidence and

moves forward towards a successful career.

By studying psychology, nurses successfully provide psychotherapy to patients.

Understanding the patient

Helps in bringing positive changes in one's own personality and behavior